जून 2025 एवं दिसम्बर 2025 हेतु असाइन्मेन्ट

बीपीवाईसी- 134

पाश्चात्य दर्शन: आधुनिक

ध्यातव्य:

1. सभी पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर **लगभग 400-400** शब्दों में दीजिए।

1. आधुनिक पाश्चात्य दर्शन की मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए। 20

अथवा

ज्ञान की प्रकृति के सम्बन्ध में काण्ट का क्या मत है? व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए। 20

2. डेकार्ट के संदेह पद्धति की व्याख्या एवं विश्लेषण कीजिए।

अथवा

डेकार्ट किस तरह बाह्य जगत के अस्तित्व को सिद्ध करते हैं? 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200** शब्दों में दीजिए। 2*10=20

   अ) कारणता का विचार क्या है? ह्यूम कारणता के विचार की आलोचना किस तरह करते हैं? 10

   आ) स्पिनोजा के द्रव्य-विचार की तुलना डेकार्ट एवं लॉक के द्रव्य-विचार से कीजिए। 10

   इ) जन्मजात प्रत्यय क्या हैं? लॉक किस तरह जन्मजात प्रत्यय के विचार की आलोचना करते हैं?10

   ई) पूर्व-स्थापित सामञ्जस्य की व्याख्या कीजिए। लाइबनिज के दर्शन में इसका महत्त्व समझाइये। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार के उत्तर लगभग 150-150** शब्दों में दीजिए। 5*4=20

   अ) लॉक प्राथमिक और द्वितीयक गुणों में कैसे भेद करते हैं? 5

   आ) बर्कले के भौतिकवाद के खण्डन की परीक्षा कीजिए। 5

इ) "विचार विषय-सामग्री के बिना रिक्त और अंतःप्रज्ञा अवधारणा के बिना नेत्रहीन है।" काण्ट के इस विचार की व्याख्या कीजिए। 5

ई) स्पिनोज़ा के ईश्वर के विचार पर चर्चा कीजिए। 5

उ) डेकार्ट के मन-शरीर द्वैत पर टिप्पणी लिखिए। 5

ऊ) प्रबोधन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच पर लगभग 100-100 शब्दों** में टिप्पणी लिखिए। 4*5=20

अ) अलगावित श्रम 4

आ) लॉक के प्रत्यक्ष की प्रतिनिधात्मक सिद्धान्त 4

इ) संश्लेषणात्मक प्रागनुभवी एवं विश्लेषणात्मक प्रागनुभवी 4

ई) लाइबनिज का पर्याप्त कारन सिद्धान्त 4

उ) देकार्त की वैज्ञानिक पद्धति 4

ऊ) सोचता हूँ, इसलिए मैं हूँ 4

ऋ) हेगेल का परम सत्य का विचार 4

ऌ) काण्ट के लिए ट्रान्सेंडैंटल का अर्थ 4